Prabhat Academy Ashtbhuja Nagar, Pratapgarh

Half-Yearly Examination (2019-20)

Class : 11th

Sub. : Hindi

Time: 2.30 **M.M. : 100**

प्रश्न: 1- किसी एक विषय पर निबंध लिखिए जो 400 शब्दों से कम न हो । [20]

i- आधुनिक समाज मे व्याप्त समस्याएँ

ii- जीवन मे स्वास्थ्य का महत्तव

iii- निम्न लिखित मे से किसी एक विषय पर मौलिक कहानी लिखिए।

1- ' जहाँ सुमति तह सम्पत्ति नाना '

2- जैसे को तैसा

प्रश्न: 2- निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर अन्त मे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों मे लिखिए । [20]

प्रकृति के विभिन्न स्वरूपों और रूप चेष्टाओं का प्रभाव मनुष्य पर पड़ता है और वे ही उसके अभिव्यजना के विषय बनते हैं उसके मन मे भाव उत्पन्न करते हैं । मनुष्य प्रकृति के नाना स्वरूपों को देखता है उसके रूप लावण्य से मुग्ध हो जाता है और उसमे भावों का उद्वेक होता है । इन्हीं भावों को वह अभिव्यक्त करने का प्रयास करता है और कला का जन्म होता है । इस दृष्टि से क्ला और प्रकृति का घनिष्ठ सम्बन्ध प्रकट होता है । प्रकृति के कुछ चित्र अपनी विशेषताओं के कारण अथवा मनुष्य की अभिरुचि के कारण उसे अपनी ओर आकृष्ट करते हैं और उसके मन मे अंकित हो जाते हैं । मनुष्य उन्हीं चित्रों को कलाओं के द्वारा अभिव्यक्त करता है । आदिकाल से मनुष्य प्रकृति की ओर आकृष्ट होता आया है । क्योंकि इससे उसकी वासनाओं की तृप्ति होती है । इस नैसर्गिक आकर्षण का परिणाम यह होता है कि मनुष्य प्रकृति के उन चित्रों को अपने हृदय के रस से सिक्त कर अभिव्यक्त करता है और वे ही भिन्न - भिन्न कलाओं के रूप में इसके हृदय को रसान्वित करते है । भारतीय साहित्य मे 'इसे ' रस ' कहते है । साहित्य के साथ ही साथ अन्य कलाओं से भी इसकी निष्पत्ति होती है । प्राकृतिक द्रश्य को देखकर कलाकार के हृदय मे भावना का उदय होता है । वह यदि उस भावना की तीव्रता अथवा स्थायित्व को वास्तविकता के साथ व्यक्त करने मे समर्थ हो, तो उस अभिब्यक्ति से दर्शक, श्रोता अथवा पाठक समाज को भी उतनी तृप्ति हो सकती है, जितनी कलाकार को हुई थी जबकि उसका उस प्राकृतिक दृश्य के साथ साक्षात्कार हुआ था । कलाकार हृदय के माध्यम से साधारण जनता को प्रभावित करता है । वह जितना अधिक हृदय साम्य स्थापित कर सकेगा उतना ही सफल कलाकार माना जायेगा । कलाकार की अन्तरात्मा का सच्चा भाव उसकी क्ला वस्तु में निहित होता है । यदि कलाकार का जीवन सम्बन्धी अथवा जगत - सम्बन्धी अनुभव सच्चा न हो तो वह उन्हें रीति से ब्यक्त करने में समर्थ नहीं हो सकता और उसकी अभिब्यक्ति दोषपूर्ण होती है सशक्त नही होती और मानव समाज उसकी कृति से तृप्ति अनुभव नहीं करता । यही कलाकार की असफलता है ।

प्रश्न: - (i) मनुष्य प्रकृति के किन - किन चित्रों को अभिब्यक्त करता है ? कला और प्रकृति का घनिष्ठ सम्बन्ध कैसे है ?

(ii) मनुष्य प्रकृति की ओर आकृष्ट होता है । उसका परिणाम क्या होता है ?

(iii) ' हृदय साम्य ' क्या है ? वह कैसे स्थापित होता है ?

(iv) कलाकार की असफलता के क्या कारण है ? स्पष्ट कीजिए ।

(3) a- निम्नलिखित वाक्यों को शुद्धध करके लिखिए : [5]

(i) शहीदों का यह देश सदा आभारी रहेगा ।

(ii) आज हमारा तबियत ठीक नहीं है ।

(iii) महात्मा बुद्धध की चिन्तन सरल व स्वाभाविक थे ।

(iv) यह एक विद्वान नारी है ।

(v) मुझे घमण्डी लोग अच्छा नहीं लगता ।

b - निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों मे प्रयोग कीजिए । [5]

(i) खोदा पहाड़ निकली चुहिया

(ii) घर का भेदी लंका ढाये

(iii) चमड़ी जाय पर दमड़ी न जाय

(iv) जैसा देश वैसा भेष

(v) जिसकी लाठी उसकी भैंस

खण्ड - ख [50]

कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए सभी खण्डों से एक प्रश्न करना अनिवार्य है ।

गध संकलन

4 प्र० - ' शिवानी द्वारा लिखित ' सती ' शीर्षक कहानी में नारी - हृदय की विविधताओं का सफलतापूर्वक चित्रण किया गया है । स्पष्ट कीजिए ।

5 प्र० - ' वृंदावन लाल वर्मा द्वारा रचित ' शरणागत ' शीर्षक कहानी अत्यंत प्रेरणादायक है ' इस कथन की समीक्षा करते हुए स्पष्ट कीजिए की कहानी के माध्यम से क्या संदेश दिया गया है ?

6 प्र० - ' गौरी ' एक चरित्र प्रधान कहानी है । स्पष्ट कीजिए ।

काव्य मंजरी

7 प्र० - ' पाठ्यपुस्तक में संग्रहीत महाकवि सूरदास के तीन पदों में बाल - कृष्ण की तीन अवस्थाओं एवं उनकी चेष्टाओं का अत्यन्त मनोहारी चित्रण हुआ है ' इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए ।

8 प्र० - ' एक फूल की चाह ' शीर्षक कविता के घटनाक्रम को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए ।

9 प्र० - ' आ: धरती कितना देती है ' कविता द्वारा पंत जी ने क्या संदेश दिया है ?

आषाढ़ का एक दिन

10 प्र० - पात्र एवं चरित्र - चित्रण की दृष्टि से ' आषाढ़ का एक दिन ' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

11 प्र० - मल्लिका ' आषाढ़ का एक दिन ' नाटक की एक महत्वपूर्ण पात्र है जिसके चरित्र ने सेर्वाधिक प्रभावित किया है । अत: मल्लिका की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।